BA Part II (Sub/GEN)

Dr. Chiranjeev K. Thakur
Sociology

बेरोजगारी का अर्थ एवं परिभाषायें (Meaning & Definitions of Unemployment)

बेरोजगारी किसी व्यक्ति के लिए वह असामान्य स्थिति है जिसके कारण न केवल उसकी आर्थिक स्थिति बिगड़ जाती है बल्कि उसके सामाजिक-पारिवारिक सम्बन्ध भी टूटने लगते हैं। बेरोजगारी की अवधारणा के तीन प्रमुख तत्व है.

a) व्यक्ति कार्य करने के योग्य है

b) व्यक्ति में कार्य करने की इच्छा है

c) व्यक्ति कार्य ढूंढने का कोई प्रयत्न कर रहा है।

इस आधार पर बेरोजगारी को वह स्थिति बताया जा सकता है जिसमें बहुत से कार्य करने के योग्य व्यक्ति कार्य करने के इच्छुक होते हुए भी प्रचलित वेतन दरों पर कार्य प्राप्त न कर पाने के कारण काफी समय तक आजीविका का साधन प्राप्त नहीं कर पाते।

बेरोजगारी की प्रमुख परिभाषायें निम्नलिखित है-

- खिंट तथा शस्त्र के अनुसार " बेरोजगारी काम न मिल पाने की वह स्थिति है जहां पर एक व्यक्ति काम चाहते हुए भी काम नहीं पाता।"

गिलीन तथा गिलीन के अनुसार," बेरोजगारी वह स्थिति है जिसमें एक व्यक्ति जोकि काम करने के योग्य एवं इच्छुक है तथा जो सामान्यत: अपनी आय पर अपने तथा अपने परिवार की आवश्यकताओं को पूर्ति के लिए सम्पूर्ण रोजगार पाने में असमर्थ रहता है।

कैयरक्रास ने लिखा है," बेरोजगारी सामान्य क्रियाशील व्यक्तियों का सामान्य क्रियाशील समय के दौरान, सामान्य वेतन पर सामान्य दशाओं के अधीन पारिश्रमिकपूर्ण कार्य से अनिच्छापूर्वक और जबरदस्ती अलग कर देना है"

जो. आर. मधान के शब्दों में," साधारण अर्थों में कहा जा सकता है कि उस देश में बेरोजगारी है, जहां स्वस्थ शरीर वाले ऐसे व्यक्तियों को मजदूरी के सामान्य स्तर पर काम नहीं मिल पाता जो काम करना चाहते हैं"

अत: स्पष्ट है," बेरोजगारी वह स्थिति है जिसमें एक सक्षम व्यक्ति चाहकर भी गतिशील कार्य प्राप्त नहीं कर पाता, फलस्वरूप उसका सामाजिक, पारिवारिक जीवन विखण्डित हो जाता है।